हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शनिवार, 9 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 37.5 डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

11 माजरा गुरदास में रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सुनी समस्याएं, गांवों के विकास को लेकर ग्रामीणों से लिए सुझाव

12 प्रकृति के संरक्षण से ही मानव जीवन की रक्षा संभवः श्याम सिंह राणा

रक्षाबंधन को लेकर प्राइवेट बसों को लेकर जारी नहीं हुए आदेश

दोपहर बाद सुविधा के साथ मुफ्त यात्रा की आफत, फ्री सफर करने के लिए उमड़ी भीड़

- बस ऑपरेटरों का किराया वसूली करने का निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रक्षाबंधन पर्व पर रोडवेज बसों में शुक्रवार दोपहर 12 बजे से महिलाओं व उनके बच्चों के लिए मुफ्त यात्रा सुविधा देने की सरकारी घोषणा एक बार फिर से यात्रियों के लिए आफत साबित हो गई। दोपहर बाद बसों में मुफ्त यात्रा करने वाली महिलाओं की संख्या काफी बढ़ गई। रोडवेज बसें कम पड़ गईं, जिससे दूसरे यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्राइवेट बसों के लिए लिखित आदेश जारी नहीं होने के कारण ऑपरेटरों ने किराए में कोई छूट नहीं देने का निर्णय लिया, जिससे महिलाओं का जोर रोडवेज बसों से यात्रा करने पर ज्यादा रहा। रक्षाबंधन के दिन रोडवेज बसों में यात्रियों की संख्या और ज्यादा बढ़ने की संभावना है।

प्रदेश सरकार की ओर हर साल रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं और उनके साथ जाने वाले बच्चों के लिए मुफ्त सेवा मुहैया कराई जाती है। सरकार का यह निर्णय लिखित आदेश नहीं होने के बावजूद प्राइवेट बस ऑपरेटरों पर भी थोंप दिया जाता है। इस बार प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने लिखित आदेशों के बिना मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से स्पष्ट मना कर दिया था। स्टेज परमिट स्कीम में मुफ्त या रियायती सुविधा मान्य नहीं होने की जानकारी आरटीआई में सामने आई थी, जिसका हवाला देते हुए प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने इस बार अधिकारियों को मुफ्त बस सेवा की सुविधा देने से मना कर दिया था। रक्षाबंधन पर्व पर बड़ी संख्या में महिलाएं राखी बांधने के लिए अपने भाइयों के घर जाती हैं। मध्यम व कमजोर तबके की महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा उन्हें मायके तक पहुंचाने में काफी कारगर साबित होती है। इससे बसों में यात्रियों की भीड़ में इजाफा हो जाता है। हालांकि आरटीए सचिव ने एक दिन पहले ही प्राइवेट बस ऑपरेटरों की बैठक बुलाकर उन्हें महिलाओं से रक्षा बंधन पर्व पर किराया नहीं वसूलने की हिदायत दी थी, परंतु ऑपरेटरों ने इसके लिए लिखित आदेश की प्रति मांगी थी।

रेवाड़ी। बस स्टैंड पर प्राइवेट बस में चढ़ते यात्री, रोडवेज में चढ़ने के लिए लगी लोगों की भीड़। फोटो :हरिभूमि

रोडवेज बसों की कमी जमकर खली

रोडवेज डिपो में लगभग 160 बसों हैं। रक्षाबंधन पर्व पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने के साथ ही बसें कम पड़ गईं। इनमें महिलाओं के साथ-साथ सामान्य यात्रियों की संख्या भी काफी अधिक रही। भीड़ इतनी ज्यादा हो गई कि किराए की परवाह किए बिना भी महिला यात्री प्राइवेट बसों से गंतव्य तक पहुंचने के लिए बैठती रहीं। प्राइवेट बसों में भी यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। बस स्टैंड के बूथों पर देर शाम तक यात्री बसों का इंतजार करते रहे। प्राइवेट बस कंडक्टरों ने किराया वसूली में कोई छूट नहीं दी गई।

ग्रामीण बस स्टॉप पर ज्यादा परेशानी

बस स्टैंड से खचाखच भरी बसों को कम दूरी वाले बस स्टॉप पर रोकना बंद कर दिया गया। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बस स्टॉप पर भी यात्रियों को बसों के इंतजार में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हर बस स्टॉप पर यात्रियों की काफी संख्या बसों के इंतजार में खड़ी रहीं। लोगों को गंतव्य तक पहुंचने के लिए प्राइवेट वाहनों का सहारा लेना पड़ा। शनिवार व रविवार को अवकाश होने के कारण नौकरीपेशा लोगों के घर लौटने के कारण यात्रियों की संख्या में काफी ज्यादा इजाफा हो गया।

लंबे रूटों पर मचाई किराए की लूट

त्योहार पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने के साथ ही लंबे रूटों पर चलने वाली प्राइवेट बसों के कंडक्टरों ने किराए की जमकर लूट मचाई। गुरूग्राम से धारूहेड़ा की ओर आने वाले यात्रियों से जयपुर की ओर जाने वाली प्राइवेट बसों के सीधे दोगुणा किराया वसूला गया। गुरूग्राम के इफको चौक और राजीव चौक से कंडक्टरों ने 100 रुपये किराया देने के लिए तैयार होने वाले यात्रियों को ही बस में बैठाया। देर सायं तक यात्रियों की जेबों पर जमकर डाका डाला गया।

रेवाड़ी। बस स्टैंड पर रोडवेज के इंतजार में खड़े यात्री। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। प्राइवेट बस में छत पर बैठे हुए यात्री। फोटो :हरिभूमि

अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की

रोडवेज बसों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए उन रूटों पर अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई, जिन रूटों के यात्रियों की संख्या ज्यादा थी। विभाग का प्रयास यही रहा कि यात्रियों को किसी तरह घर पहुंचने में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े। प्राइवेट बसों में किराया वसूलने या नहीं वसूलने का मामला आरटीए सचिव के हाथों में है, इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

-प्रदीप कुमार, जीएम, रोडवेज।

शहर में शाम को जाम जैसे हालात

रक्षाबंधन पर्व पर निजी वाहनों से भी बड़ी संख्या में लोग गंतव्य तक पहुंचते हैं। साथ ही दो दिन का अवकाश होने के कारण नौकरीपेशा लोग अपने वाहनों से घरों की ओर निकलते हैं। इससे शहर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाता है। शुक्रवार को शाम पांच बजे के बाद सरकुलर रोड पर वाहनों की लंबी लाइनें लग गईं। धारूहेड़ा चुंगी से लेकर नाईवाली चौक तक लंबा जाम लगा रहा, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम खुलवाने के लिए ट्रैफिक पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

खबर संक्षेप

चित्रगुप्त मंदिर में महिलाओं के लिए कैंप कल

रेवाड़ी। सर्व भगवान शिव एवं श्री चित्रगुप्त मंदिर चैरिटी ट्रस्ट, श्री चित्रगुप्त सभा तथा गोल्डन लायनेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 10 अगस्त को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे दोपहर चित्रगुप्त मंदिर कुतुबपुर में महिलाओं के लिए बांझपन कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महिलओं को निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। कैंप में बांझपन विशेषज्ञ डा. प्रोमिला यादव व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डा. रूचि सक्सेना टीम सहित उपस्थित रहेगी। कैंप में निः शुल्क दवाईयां भी वितरित की जाएगी।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज के लिए महिला को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गत वर्ष जिले के एक गांव निवासी महिला ने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने 7 अगस्त को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने गुरूग्राम के जरोला निवासी हरेंद्र को गिरफ्तार किया है।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। बावल थाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद मौके से फरार हुए एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। बनीपुर चौक के पास 9 अगस्त को हुए हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज करते हुए चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए थे। इस मामले में पुलिस ने वाहन चालक कोटपुतली निवासी अनिल कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वाहन कब्जे में लेने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

धोखाधड़ी का आरोपी चार साल बाद काबू

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने वर्ष 2021 में दर्ज किए गए धोखाधड़ी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर 16 जून 2021 को आरोपियों के खिलाफ धोखधड़ी का केस दर्ज किया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में हिसार के पेटवाड़ निवासी नरेंद्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी गिरफ्तार

जाटूसाना। थाना रोहड़ाई पुलिस ने आसियाकी गौरावास में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मारपीट में घायल के बयान पर 22 जुलाई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने आशियाकी गौरावास निवासी रामपाल, पूनम और ज्योति को गिरफ्तार कर लिया। बाद में तीनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

ट्रेन से उतरते समय महिला की चेन उड़ाई

रेवाड़ी। जीआरपी ने महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर एक महिला के गले की चेन झपटने का केस दर्ज किया है। जीआरपी को दर्ज शिकायत में नांगल सिरोही निवासी हिमांशु ने बताया कि उसकी मां गायत्री देवी ट्रेन से दिल्ली से आई थी। महेंद्रगढ़ स्टेशन पर भीड़ का फायदा उठाते हुए एक महिला उसकी मां के गले की सोने की चेन झपटकर फरार हो गई। जीआपी ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

इमारत की आठवीं मंजिल से लगाई छलांग, गिरते ही महिला ने तोड़ा दम

- पुलिस मृतका के मायके पक्ष के लोगों के आने का इंतजार करती रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

विपुल गार्डन में रहने वाली एक महिला ने शुक्रवार सुबह आठवीं मंजिल से छलांग लगा दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद शव को पोस्टमार्टम भेज दिया। आगामी कार्रवाई के लिए पुलिस महिला के परिजनों के आने का इंतजार कर रही थी। यूपी के अलीगढ़ की मूल निवासी 36 वर्षीय प्रियंका अपने पति के साथ विपुल गार्डन सोसायटी में रह रही थी। पति एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता है, जबकि प्रियंका एक कंपनी में टिफिन सप्लाई का कार्य करती थी। शुक्रवार सुबह उसने सोसायटी की आठवीं मंजिल से छलांग लगा दी। इससे आसपास के लोग वहां पहुंच गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। प्रियंका को अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव अस्पताल के शव गृह में रखवाकर उसके मायके पक्ष के लोगों को घटना की सूचना दी।

पति के साथ नहीं था कोई विवाद

पुलिस के अनुसार आरंभिक जांच में यह बात सामने आई कि प्रियंका का उसके पति के साथ अभी तक कोई विवाद नहीं था। दोनों अपने-अपने कारू में लगे हुए थे। ऐसे में उसकी आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मृतका के मायके पक्ष के लोगों के आने का इंतजार कर रही थी। उनके बयान के आधार पर ही आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

नप कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे डीएमसी, रिकॉर्ड मेंटेन करने के निर्देश

- निरीक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों के कार्य का आकलन करना था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला नगर आयुक्त ने शुक्रवार को नगर परिषद कार्यालय में अधिकारियों व कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर औचक निरीक्षण किया, लेकिन डीएमसी के कार्यालय में पहुंचने से पहले की कर्मचारियों के पास निरीक्षण की सूचना पहुंच गई। डीएमसी ब्रह्मप्रकाश शुक्रवार सुबह करीब साढे 9 बजे अचानक नगर परिषद कार्यालय में पहुंचे। कर्मचारियों के पास पहले से डीएमसी के आने की सूचना होने पर उन्होंने अन्य स्टॉप को फोन करके कार्यालय में बुला लिया। निरीक्षण के दौरान डीएमसी ने सभी कर्मचारियों को रिकॉर्ड मेंटेन करने के निर्देश दिए। डीएमसी की ओर से आरटीआई शाखा में कर्मचारियों से आरटीआई पेंडिंग की पूछताछ करने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। डीएससी ने कहा कि रिकॉर्ड में दर्ज कीजिए की कितनी आरटीआई पेंडिंग हैं और किस-किस ब्रांच से सूचना नहीं आई है। डीएमसी ब्रह्मप्रकाश ने कहा कि कार्यालय में कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों के कार्य का आकलन करना था ताकि लोगों को किसी भी काम के लिए दिक्कत न उठानी पड़े।

रेवाड़ी। कर्मचारियों से पूछताछ करते हुए डीएमसी, कंप्यूटर में रिकार्ड चैक करते डीएमसी। फोटो :हरिभूमि

छात्राओं ने डीएसपी को राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन पर्व

रेवाड़ी। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर गुरुकुलम स्कूल गांव मसानी की छात्राओं ने डीएसपी हेडक्वार्टर डा. रविन्द्र सिंह को राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का सम्मान किया। डीएसपी ने छात्राओं को उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह हमें समाज के प्रति हमारे कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है। डा. रविन्द्र सिंह ने कहा कि हमारे त्योहार हमारी संस्कृति और परंपराओं को संयुक्त रूप से दर्शाने का काम करते हैं। बच्चों ने न केवल भाई-बहन के रिश्ते को नई ऊंचाई दी, बल्कि पुलिस और आमजन के बीच विश्वास की डोर को भी और मजबूत किया है।

डीटीपी ने तीन एकड़ में अवैध कॉलोनी की जमींदोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीटीपी की टीम ने शुक्रवार को रेवाड़ी से बावल रोड पर अवैध रूप से विकसित हो रही कॉलोनी में तोड़फोड़ की कार्रवाई की, जिससे प्रॉपर्टी डीलरों से लेकर प्लॉट खरीदने वाले लोगों तक में हड़कंप मच गया। शुक्रवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पुलिस बल के साथ डीटीपी की टीम शाहजहांपुर रोड पर राजस्व सीमा में पहुंची। जहां पर डीटीपी की जेसीबी ने 3 एकड़ में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया। डीटीपी टीम ने यहां 8 डीपीसी, 3 चारदिवारी, अवैध अखाड़ा व कच्चे रोड नेटवर्क को जेसीबी की मदद से जमींदोज कर दिया। इसके अलावा डीटीपी की टीम ने शाहजहांपुर रोड पर ग्रीन बेल्ट पर अवैध निर्माण को भी ध्वस्त कर दिया। पुलिस बल की मौजूदगी के चलते डीटीपी की इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ। प्रॉपर्टी डीलर व कॉलोनाइजर जिले में नई कॉलोनियां विकसित करने में लगे हुए हैं।

ग्रीन बेल्ट से भी हटाए अवैध कब्जे

रेवाड़ी। अवैध कॉलोनी पर चलती डीटीपी की जेसीबी। फोटो :हरिभूमि

अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें: डीटीपी

डीटीपी मंदीप सिंह सिहाग ने कहा कि आमजन प्रॉपर्टी डीलरों के झांसे में आकर अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें। अनियमित कॉलोनियों में प्लॉट खरीकर मकान बनाने वाले लोगों को तोड़फोड़ के बाद दोहरे नुकसान का सामना करना पड़ता है। लोगों को प्लॉट खरीदने से पहले विभागीय कार्यालय से यह पता करना चाहिए कि जहां वह प्लॉट खरीद रहे हैं, वह कॉलोनी रेगुलर है या नहीं।

गर्मी ने दिन भर लोगों के छुड़ाए पसीने, आज से मौसम में बदलाव के आसार

जून माह जैसी गर्मी का प्रकोप, 37 डिग्री के पार पहुंचा पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

तीन दिन से बूंदाबांदी बंद होने के बाद पारा एक बार फिर उछाल लेने लगा है। जून माह के बाद पहली बार पारा 37 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जिससे दिन भी लोग पसीने में तर-बतर नजर आए। शाम के समय आसमान में बादल छाने के बाद फिर से बरसात या बूंदाबांदी की संभावना बन गई। 9 अगस्त से मौसम में फिर बदलाव आ सकता है, जिससे हल्की या मध्यम बरसात हो सकती है। शुक्रवार को सुबह से ही आसमान साफ रहने के कारण दोपहर बाद तक तेज धूप खिली रही। इससे अधिकतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 37.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। अंतिम बार इस सीजन में 15 जून को तापमान इस स्तर पर रहा था। न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 21.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा माना जा रहा है। धूप निकलने के कारण दिन भर गर्मी ने लोगों को परेशान किया। हवा में नमी का स्तर 63 फीसदी तक रहा, जबकि हवा की रफ्तार काफी कम 8 किमी प्रति घंटा दर्ज की गई। हवा में नमी वातावरण में उमस पैदा कर रही है, जिससे सूखी गर्मी से भी ज्यादा परेशानी हो रही है। चिपचिपाहट भरी गर्मी के कारण दिन भर पसीने नहीं सूखते। कूलरों की हवा बेअसर साबित होने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार से मौसम में एक बार फिर बदलाव आ सकता है। विक्षोभ की सक्रियता से आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी से लेकर हल्की या मध्यम बरसात हो सकती है।

दो दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान तापमान में भी मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा।

रेवाड़ी। शुक्रवार शाम को छाए बरसात के बादल। फोटो :हरिभूमि

किसानों की नजरें फिर आसमान पर

जिले के किसानों ने इस बार लगभग 91 हजार हेक्टेयर भूमि पर बाजरा और 8 हजार हेक्टेयर में कपास की खेती की हुई है। इस समय दोनों फसलों को सिंचाई की आवश्यकता है। रेतीली जमीन होने के कारण मौसम साफ होते ही फसलों को सिंचाई की दरकार होती है। किसान नलकूपों से फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। एक बार फिर बारिश का इंतजार किया जा रहा है। अच्छी बरसात के बाद किसानों को फसल सिंचाई की जरूरत कुछ दिन तक नहीं पड़ेगी, इस कारण वह बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा कार्यक्रम कल

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभक्ति का कार्यक्रम सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा का आयोजन 10 अगस्त को पंजाबी धर्मशाला पर किया जा रहा है। संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि नई दिशा युवा मंच के जिला प्रधान एडवोकेट निशांत यादव कार्यक्रम में मुख्यातिथि व रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन की प्रधान नेहा शर्मा विशिष्टातिथि रहेंगे। संस्था की ओर से रोटरी क्लब के सचिव अनुकूल शर्मा, पूर्व प्रधान रोटरी क्लब मनीष अरोड़ा व विश्व हिंदू परिषद के भिवानी विभाग मंत्री राजकुमार यादव का अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य करने वाले साथियों को भी सम्मानित किया जाएगा

भैजा दूज का पर्व

रक्षाबंधन की ही तरह भैया दूज का पर्व भी भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक माना जाता है। इसके पीछे प्रचलित मान्यता के अनुसार बहन की सेवा को देखकर यम बेहद खुश हुए और यमुना से कोई वर मांगने के लिए कहा। इसके बाद यमुना ने उनसे वचन लिया कि हर साल कार्तिक माह के शुक्ल द्वितीया तिथि पर वह मेरे घर आकर भोजन किया करें। यमराज ने भी उन्हें तथास्तु कहते हुए उन्हें तरह-तरह की भेंट भी दी। मान्यता के अनुसार, तभी से भाई दूज के पर्व को मनाने की शुरुआत हुई।

भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व 'सलूमण'

रक्षाबंधन पर्व की जन-मानस में लोकप्रियता के दृष्टिगत ही हरियाणा सरकार महिलाओं को अपने भाइयों को इस दिन रक्षासूत्र बांधने के लिए आवा-गमन हेतु मुफ्त बस सेवा उपलब्ध कराती है। राज्यों में अलग-अलग ढंग से रक्षाबंधन को मनाया जाता है

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत उत्सवों का देश है। जहां हर अवसर पर हर परिस्थिति में जीवन को सकारात्मक दिशा देने के लिए कार्य करने की परम्परा रही है। यहां मनाया जाने वाला प्रत्येक त्योहार जन-मानस को नया सन्देश देता है। भारतीय त्योहारों की इसी श्रृंखला में श्रावण माह में मनाया जाने वाला पर्व है रक्षाबंधन। इसे श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन न केवल भारत बल्कि मॉरीशस, नेपाल और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों के साथ-साथ दुनिया भर में बसने वाले भारतवंशी भी पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाते हैं।

भारत की तरह नेपाल में रक्षाबंधन को जनेऊ पूर्णिमा के नाम से संबोधित किया जाता है। इस दिन घर के बड़े लोग अपने से छोटे लोगों के हाथों में एक पवित्र धागा बांधते हैं। राखी के अवसर पर यहां एक खास तरह का सूप पिया जाता है, जिसे कवाती कहा जाता है। इस अवसर पर बहनें अपना प्रेम रक्षा सूत्र के रूप में भाई की कलाई पर बांध कर प्रदर्शित करने के साथ उससे रक्षा का वचन लेती हैं। भाई इस अवसर पर कुछ उपहार देकर भविष्य में संकट की स्थिति में उसकी सहायता करने का वचन देते हैं।

भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक यह त्योहार भारत भर में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। उत्तर प्रदेश में इसे श्रावणी या सलूनो भी कहते हैं। श्रीकृष्ण की लीला स्थली ब्रज में सावन मास में हरियाली तीज यानि श्रावण शुक्ल तृतीया से श्रावणी पूर्णिमा तक यहां के मन्दिरों और घरों में ठाकुर जी को झूले में विराजित किया जाता है। ठाकुर जी यानी श्री कृष्ण का यह झूला-दर्शन श्रावणी पूर्णिमा अर्थात रक्षाबन्धन के दिन समाप्त होता है। उत्तरांचल में रक्षाबंधन को श्रावणी कहते हैं। इस दिन यजुर्वेदी द्विजों का उपनयन कर्म होता है। इस दिन उत्सर्जन, स्नान-विधि, ऋषि-तर्पणादि करके उनको नवीन यज्ञोपवीत धारण कराया जाता है। इस दिन वृत्तिवान् ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन ही पूर्ण होती है। जबकि राजस्थान में इस दिन रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने की परंपरा है। रामराखी सामान्य राखी से थोड़ी-सी अलग होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है और यह भगवान को ही बांधी जाती है। वहीं चूड़ा राखी भाभियों की चूड़ियों में बांधी जाती है। जोधपुर में राखी के दिन दोपहर में पद्मसर और मिनकानाडी में गोबर, मिट्टी एवं भस्मी से स्नान कर शरीर को शुद्ध किया जाता है, फिर धर्म तथा वेदों के प्रवचनकर्त्ता अरुंधती, गणपति, दुर्गा, गोभिला तथा सप्तर्षियों के दर्भचट अर्थात पूजास्थल बनाकर मन्त्रोच्चारण के साथ उनकी पूजा की जाती है। इसके बाद उनका तर्पण किया जाता है ताकि पितृऋण चुकाया जा सके। फिर घर आकर हवन किया जाता है, वहीं पर रेशम के डोरे से राखी बनायी जाती है तथा उसको कच्चे दूध से अभिमन्त्रित किया जाता है। यह राखी भगवान को अर्पित करने के बाद ही भोजन किया जाता है। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में इस पूर्णिमा को कजरी पूर्णिमा के विशेष रूप में मनाने की रीत चली आ रही है। कजरी पूर्णिमा के दिन महिलाएं पेड़ के पत्तों के पात्रों में खेत से मिट्टी भरकर लाती हैं और उनमें जौ को बोया जाता है। जहां ये पात्र रखे जाते हैं, वहां पर चावल के घोल से चित्रकारी भी की जाती है। कजरी पूर्णिमा के दिन महिलाएं इन जौ को सिर पर रखकर जुलूस निकालती हैं और पास के किसी तालाब या नदी में इसे विसर्जित कर देती हैं। महिलाएं इस दिन उपवास रखकर अपने पुत्र व भाई की लंबी आयु की कामना करती हैं। उड़ीसा और पश्चिम बंगाल में रक्षाबंधन को झूलन पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा की पूजा की जाती है। साथ ही महिलाएं अपने भाइयों के अच्छे जीवन के लिए उनकी कलाइयों पर राखी बांधती हैं। देश के पूर्वी हिस्से ओडिशा में राखी को गमहा पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घर की गाय और बैलों को सजाते हैं और एक खास तरह का पकवान, जिसे मीठा और पीठा कहा जाता है, बनाते हैं। इस दिन राधा-कृष्ण की प्रतिमा को झूले पर बैठा कर झूलन यात्रा निकाली जाती है। इसी प्रकार गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा में राखी का त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। जल के देवता वरुण को प्रसन्न करने के लिये नारियल अर्पित करने की परम्परा भी है। नारियल की तीन आंखें होने से उसे शिव का प्रतीक माना जाता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा की जाती है। गुजरात के कुछ हिस्सों में रक्षाबंधन को पवित्रोपन के नाम से भी मनाया जाता है। वहीं दक्षिण भारतीय राज्यों जैसे तमिलनाडु तथा केरल के साथ ही देश के विभिन्न भागों में रहने वाले दक्षिण भारतीय ब्राह्मण इस पर्व को अवनि अवित्तम कहते हैं। इस दिन ये यज्ञोपवीतधारी ब्राह्मण नदी या समुद्र के तट पर स्नान करने के बाद ऋषियों का तर्पण करके नया यज्ञोपवीत धारण करते हैं। हरियाणा में भी समस्त उत्तर भारत की तरह ही भाई-बहन का यह पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इसे यहां सलूमण के नाम से मनाते हैं। सलूमण के त्योहार की जन-मानस में लोकप्रियता के दृष्टिगत ही हरियाणा सरकार महिलाओं को अपने भाईयों को इस दिन रक्षासूत्र बांधने के लिए आवा-गमन हेतु मुफ्त बस सेवा उपलब्ध कराती है। जिस तरह से अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग ढंग से रक्षाबंधन को मनाया जाता है उसी तरह से इस त्योहार को मनाने के पीछे भिन्न-भिन्न कहानियां प्रचलित हैं।

रक्षाबंधन की सबसे अधिक प्रचलित मान्यता के अनुसार महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था। ये देखकर द्रौपदी जो कृष्ण जी की सखी भी थी, ने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया। इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई।

ये हैं प्रचलित मान्यताएं

रक्षाबंधन की सबसे अधिक प्रचलित मान्यता के अनुसार महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था। ये देखकर द्रौपदी जो कृष्ण जी की सखी भी थी, ने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई। जब द्रौपदी का चीरहरण किया जा रहा था, तब श्रीकृष्ण ने ही उनकी लाज बचाकर सबसे उनकी रक्षा की थी। राखी के सम्बन्ध में एक अन्य मान्यता प्रचलित है। जब महाभारत के युद्ध में युधिष्ठिर ने कृष्ण से पूछा कि मैं सारे दुखों से कैसे पार पा सकता हूं, तो कृष्ण कहते हैं कि तुम अपने सभी सैनिकों को रक्षा सूत्र बांधो, इससे तुम्हारी विजय पक्की है। युधिष्ठिर ऐसा ही करते हैं और उन्हें विजय मिलती है। ये घटना श्रावण माह की पूर्णिमा को हुई थी, इसलिए इसे रक्षाबंधन के रूप में मनाया जाने लगा और इस दिन सैनिकों को राखी बांधी जाती है। इसी तरह से वामन अवतार से जुड़ी एक कथा के अनुसार राजा बलि बड़े दानी थे और भगवान विष्णु के भक्त थे। एक बार वे भगवान को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ कर रहे थे। अपने भक्त की परीक्षा लेने के लिए भगवान विष्णु एक ब्राह्मण का वेष धारण करके यज्ञ स्थल पर पहुंचे और राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। राजा ने ब्राह्मण की मांग स्वीकार कर ली। ब्राह्मण ने पहले पग में पूरी भूमि और दूसरे पग में पूरा आकाश नाप दिया। राजा बलि समझ गए कि भगवान उनकी परीक्षा ले रहे हैं, इसलिए उन्होंने फौरन ब्राह्मण का तीसरा पग अपने सिर पर रख लिया। उन्होंने कहा कि भगवान अब तो मेरा सबकुछ चला गया है, अब आप मेरी विनती स्वीकार करें और मेरे साथ पाताल में चलकर रहें। भगवान को राजा की बात माननी पड़ी। उधर, मां लक्ष्मी भगवान विष्णु के वापस न लौटने से चिंतित हो उठीं। उन्होंने एक निर्धन महिला का वेष बनाया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांध दी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा तो मां लक्ष्मी फौरन अपने असली रूप में आ गईं और राजा से अपने पति भगवान विष्णु को वापस लौटाने की मांग की। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस भेज दिया। रक्षाबंधन को लेकर इस प्रकार की और भी अनेक कथाएँ भारतीय लोकमानस में कही-सुनी जाती हैं। जिनमें भाई-बहन के प्रेम, रक्षासूत्र और भाई के द्वारा बहन की रक्षा करने संबंधी उल्लेख मिलता है। इस प्रकार की परम्पराएं निसंदेह समाज को नयी दिशा देती हैं और संबंधों में ऊर्जा का संचार करती हैं। आइए, हम सब संकल्प लें कि हम अपनी परम्पराओं को जीवित रखेंगे।

गीत | भूपसिंह भारती

सामण

सामण का महीना, और तीजों का त्योहार।
तीज खेलरी सखियां सारी, कर सौला सिंगार।।

चली खेलणे, सखी सहेली,
संग चली सब, नई नवेली,
लाकै मीठी रेली, गावै गीत मल्हार।

पींघ घली, पेड़ों की डारी,
मचकावै ब्याही, और कुंवारी,
झूल झूलरी सारी, बारी बारी ये नार।

रूप रंग पै, चढ़ी जवानी,
सामण की या, रुत मस्तानी,
आग लगावै पानी, सीली बहै बयार।

लाड कोथली, घणी निराली,
शक्करपारे, और सुहाली,
भर भर बांटै थाली, इसा तीज त्यौहार।

तीज खेलकै, बिरवा बोवै,
झाड़ी म्ह ये, गिण गिण पोवै,
रेतां म्ह बी ल्हकोवै, बेटां खातर भंडार।

चोगरदे ये, हुई हरियाली,
घर घर म्ह, आई खुशहाली,
बजा 'भारती' ताली, रिमझिम पड़े फुहार।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

प्रकृति प्रेम

ब्रम्हा जी लगे रचन सृष्टि चारों तरफ निहारें
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

ब्रम्हा जी न प्रकाश फला कै पुत्र दस पायें थे
भगती में लौ लीन हुए सब न ही यश पायें थे
ब्रम्हा जी लिये देख दक्ष न चिन्ता बस पायें थे
ब्रम्हा जी गये समझ व गुण दक्ष मै ही पायें थे
प्रजापति दक्ष बणा दिया व रहे देखते सारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

ब्रम्हा विष्णु शिवजी तीनों नेअपने कर्म सम्भाले
एक उत्पति एक पोषक एक संहार करने वाले
वंश बेल की कामवासना व पुर दिये थे जाले
ब्रम्हा जी न ब्रम्हाण्ड सौंप दिया था दक्ष हवाले
देवताओं के राजा बणे व दक्ष ब्रम्हा के प्यारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

सवमभू मनु की दो पुत्री राजा दक्ष न परणाई
एक रानी न चौबीस कन्या अपने गर्भ से जाई
दुजी रानी न सुहाग भाग से साठ कन्या पाई
चौरासी पुत्री हुई दक्ष कै सती शिव न बयाही
सती शिव की शादी में बाजै तीन लोक नगारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

कनखल में फेर दक्ष न एक महायज्ञ कराया
उस यज्ञ में भाग लेण न सभी देवता आया
शिव जी से थे रुष्ट दक्ष ना शिव सती बुलाया
महेन्द्र सिंह बिलोट बैठा जिसने भेद बताया
हवन मै जल सती मरी थी समिधा बणी अंगारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रतिभा

घुड़सवार दल का कमान्डर होने के बावजूद स्कीनर ने 1803 में दिल्ली में अंग्रेज सेना से लड़ने से कर दिया था मना

हांसी का जागीरदार था कर्नल जेम्स स्कीनर

इतिहास | यशपाल गुलिया

अति प्रेरणादायक हस्ती जेम्स स्कीनर अंग्रेज अधिकारी तथा भारतीय माता का पुत्र था। कलकता में 1778 में जन्म लेने वाला जेम्स युवावस्था में पिता की इच्छा के विपरीत अपने शिक्षा संस्थान से भाग गया था। तब उसके पास मात्र 25 पैसे जेब में थे।

कुछ दिनों तक कलकता में भटकने के बाद जेम्स मराठा सेना में भरती हो गया। वहां फ्रांसीसी कमान्डर जनरल पैरो के नेतृत्व में विभिन्न युद्धों में भाग लेना पड़ा, जैसे 1796 में बुन्देलखण्ड का युद्ध, चान्दखोरी का युद्ध, मालपुरा में जयपुर राजा के विरुद्ध युद्ध, 1799 में रामपाल राजपूत के विरुद्ध युद्ध आदि। अपने युद्ध कौशल के कारण पैरो ने स्कीनर को एक घुड़सवार दल का कमान्डर बना दिया। लेकिन जनवरी वर्ष 1800 में स्कीनर के पैर में उनियारा युद्ध में गोली लग जाने से उसको पूरी रात घायलों के बीच पड़े रहना पड़ा था। वहीं पर स्कीनर ने ये वादा किया था कि अगर मैं जिन्दा बच गया तो एक चर्च अवश्य बनवाऊंगा। उसने कुछ वर्षों बाद वादे अनुसार दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास चर्च को बनवाया। मराठा सेना में एक घुड़सवार दल का कमान्डर होने के बावजूद उसने 1803 में दिल्ली में अंग्रेज सेना से लड़ने से मना कर दिया। फिर कुछ अन्य साथियों के साथ लार्ड लेक की अंग्रेज सेना में शामिल हो गया।

अंग्रेज सेना में जाने के बाद भी स्कीनर को लगातार युद्धों में भाग लेना पड़ा, जैसे मुकन्दरा पास युद्ध, पिन्डारियों के विरुद्ध व भरतपुर युद्ध आदि। तब अंग्रेजों ने स्कीनर को कर्नल तो पदोन्नत किया ही बल्कि उसका रुतबा काफी बढ़ाया। वर्ष 1809 में उसको एक बडे घुड़सवार दल का कमान्डर बनाकर हांसी (हरियाणा) में नियुक्त कर दिया। उसी काल में हांसी में अंग्रेजों ने कैवलरी कैन्ट भी बना दिया था। कुछ समय बाद रेजिडेंट सिटन के अनुरोध से कर्नल जेम्स स्कीनर को हांसी क्षेत्र जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। उसके बाद स्कीनर अत्यधिक सम्पन्न हो गया तथा उसके अंग्रेज उच्च अधिकारियों से सीधे सम्बन्ध बनने लगे।

विलियम फ्रेजर और मेवात के नवाब अहमद बक्स से मिलकर उन्होंने हांसी से ही घोड़ों का व्यापार किया। तब स्कीनर ने दिल्ली में एक भव्य कोठी तथा विशाल चर्च का निर्माण करवाया। अति प्रतिभावान स्कीनर ने 1825 में दो ग्रन्थ फारसी भाषा में लिखे थे जो तत्कालीन शासकों एवं विभिन्न जातियों के बारे में हैं। स्कीनर के योगदान से ही 1815 में हिसार में अंग्रेजों ने घोड़ा फार्म स्थापित किया था।

स्कीनर के ग्रन्थों का नाम तजकीरत अल उमरा तथा तसरीह अल अकवाम है जो लन्दन स्थित ब्रिटिश लाइब्रेरी में ही उपलब्ध है। स्कीनर की कई पत्नियां थी, जो सभी भारतीय थी। उनमे से दो के तो हांसी के चार कुतुब में मकबरे भी हैं। भारतीय सेना में भी स्कीनर्स होर्स नाम से एक रिसाला बनाया गया था। उस अद्भुत हस्ती कर्नल जेम्स स्कीनर का 63 वर्ष की आयु में 4 दिसम्बर 1841 को स्वर्गवास हो गया तथा उसको दिल्ली स्थित चर्च परिसर में फ्रेजर की कब्र के साथ दफन कर दिया गया।

हांसी में स्थित कर्नल जेम्स स्कीनर की कोठी का बाहरी दृश्य तथा दाएं उनकी बेगम का मकबरा। इस मकबरे पर फारसी में शिलालेख भी लिखा हुआ है।

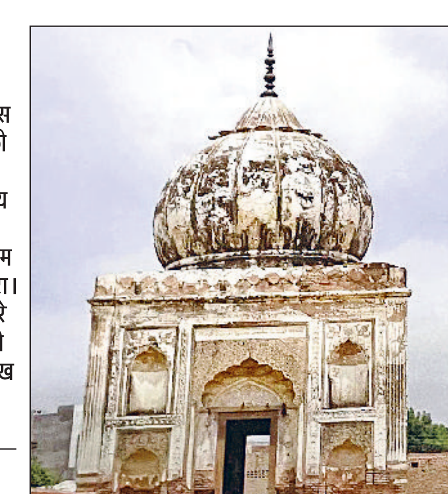

समाज को संस्कृति से जोड़ने में लोक कला अहम : केलापति

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी लेखक व कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कलाओं के हुनर बिखेरकर हरियाणवी संस्कृति को पहचान देते आ रहे हैं। ऐसी ही हरियाणवी कलाकार ने अपने हिंदी और हरियाणवी भाषा में गीतों, कविताओं और भजनों का लेखन करने के साथ अपनी गायन कला और अभिनय के माध्यम से बड़ी पहचान बनाई है। एक शिक्षिका, समाजसेवी, अभिनेत्री और गायक कलाकार केलापति राहीवाल ने हरिभूमि संवाददाता से अपनी लोक कला के सफर को लेकर कई ऐसे पहलुओं को सामने रखा, जिसमें लोक कला का समाज को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के प्रति नई दिशा देने में अहम योगदान है।

हरियाणवी लोक कलाकार केलापति राहीवाल का जन्म 01 फरवरी 1962 को हिसार जिले के गांव सरसौद में एक छोटे से किसान परिवार में फकर सिंह व रूकमण देवी के यहां हुआ। उनके पिता खेती-बाड़ी व पशुपालन का काम करते थे। उनकी माता को संगीत व नृत्य के प्रति बहुत लगाव था। हमेशा ही वह सुबह जब सुबह हाथ वाली चक्की से आटा पीसती थी, तो सुंदर गीत और भजन गाती रहती थी। वहीं उस जमाने में गांवों में सभी मौहल्ले और आस पड़ोस की औरतें कुंए से पानी भरने के लिए जाती थी, तब भी उनकी माता गीत गाते हुए चलती थी और वह भी उनके पीछे कुएं पर पहुंच जाती थी, जिसका असर पड़ना स्वाभाविक था। मसलन उन्हें गीत-संगीत की कला मां से विरासत में मिली, तो इसी कारण बचपन से ही उन्हें भी कला संगीत में अभिरुचि पैदा हुई। यही कारण था कि इन्होंने स्कूली शिक्षा के दौरान चौथी कक्षा से ही शनिवार की बालसभा में कविता, गीत और भजन सुनाना भी शुरू कर दिया था। पढ़ाई में भी वह अव्वल रहीं, जिसके कारण शिक्षकगणों का आशीर्वाद मिला और वह भी अपने मन में अध्यापकों के प्रति बहुत मान सम्मान रखती थी। बकौल केलापति, उन्होंने एमए (हिंदी) स्नातकोत्तर की उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ डीएड, प्रभाकर और स्नातकोत्तर शिक्षा कार्यक्रम (पीआरईपी-एनएम) भी किया है। इसके बाद उनकी छह अप्रैल 1988 को हरियाणा शिक्षा विभाग में एक शिक्षक के रूप में नौकरी लग गई। करीब 32 साल तक अध्यापन कार्य करने के बाद 31 जनवरी 2020 में सेवानिवृत्त हुई। शिक्षिका की नौकरी के दौरान उन्होंने जहां अध्यापन प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनिंग जैसे शिक्षण कार्य की हरेक गतिविधि में बढ़चढ़कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया, वहीं उन्होंने जनहित के कार्यक्रमों पोलियो अभियान, जनगणना आदि में भी अपना योगदान दिया है।

सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने लोक कला के क्षेत्र में विभिन्न विधाओं के साथ सक्रिय होकर अपनी भूमिका को आगे बढ़ाने का सिलसिला जारी रखा हुआ है। दूसरी ओर परिवार में केलापति की जिम्मेदारी बेहद अहम रही, क्योंकि वह अविवाहित हैं और अपने परिवार के साथ ही रहती हैं। उनका परिवार वर्तमान में हिसार में रहता है।

पुरस्कार और सम्मान

महिला लोक कलाकार केलापति को हाइफा की प्रतियोगिताओं के गीत कॉम्पिटिशन में दो बार प्रथम, एक बार द्वितीय और हाल ही सात्वनां पुरस्कार हासिल किया है। फिल्म अभिनेता और निर्देशक यशपाल शर्मा ने उनकी गायन शैली से प्रभावित होकर उन्हें बहुत मान सम्मान के साथ लेडी लख्मीचंद के नाम दिया है। केलापति को अध्यापन कार्य के दौरान भी राज्य, जिला और खंड स्तर पर अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले हैं।

अभिनय के रूप में छोड़ी छाप

केलापति राहीवाल ने स्कूल और कॉलेज में शैक्षिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक मंचों पर भी गीत और भाषण तथा अभिनय के रूप में अपनी कला का प्रदर्शन किया, उन्होंने अधिकांश फिल्मों व वेब सीरीज में दादी का किरदार निभाया है। उनकी विभिन्न विधाओं में कला को हरियाणवी फिल्मों और वेब सीरीज में भी बेहद पसंद किया जाता है। इन्होंने हरियाणवी फिल्म घूंघट, हरियाणा, हरियाणा की बेटी, मां, हरियाणा केसरी, मुआवजा, काला कौन है जैसी फिल्मों में अभिनय के साथ गायन भी निभाया। खुशमिजाज मजाकिया स्वाभाव की कलाकार होने के नाते शूटिंग और सैट पर पूरी टीम उन्हें भरपूर मान-सम्मान देती है। वहीं उनके यूट्यूब चैनल पर खुद के लिखे और गाये गये गीत और भजन भी प्रचलित हैं, जिन्हें खूब पसंद किया जा रहा है।

आधुनिक युग में चुनौती

लोक कलाकार केलापति राहीवाल का कहना है कि आजकल की युवा पीढ़ी को हरियाणवी संस्कृति के प्रति प्रोत्साहन देने की जरूरत है, क्योंकि पाश्चात्य संस्कृति का दुष्प्रभाव हमारी भारतीय संस्कृति को दूषित कर रहा है। युवा पीढ़ी को सरकारी स्तर और स्कूल व कॉलेज में सांस्कृतिक रूप से प्रोत्साहन देने की जरूरत है, ताकि उनके भविष्य को सुधारकर उन्हें अपनी संस्कृति और सभ्यता और परंपरा से जोड़ा जा सके।

खबर संक्षेप

ज्ञानदीप स्कूल में मनाया रक्षाबंधन का उत्सव

बावल । ज्ञानदीप स्कूल मोहनपुर में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। छात्रों ने छात्रों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गीत, कविता और नृत्य जैसे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्या सुनीता कुमारी ने भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और आपसी सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

छात्रों ने राखी मेकिंग-थाली डेकोरेशन में दिखाई प्रतिभा

रेवाड़ी । महेंद्रगढ़ रोड पर स्थित विकास इंटरनेशनल स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने राखी मेकिंग कंपटीशन, थाली डेकोरेशन व मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता में भाग लिया। बच्चों ने अध्यापकों की कलाई पर राखी बांधी व आशीर्वाद लिया। अध्यापकों ने बच्चों को गिफ्ट भेंट किए। छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने राखी के गानों पर नृत्य भी किया। निदेशक देवेंद्र कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व के बारे में बताया।

प्रशासन की जनता के द्वार तक पहुंचने की नई पहल

माजरा गुरदास में रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सुनी समस्याएं, विकास को लेकर लिए सुझाव

डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र मीणा ने ग्रामीणों से संवाद किया प्रदर्शनी के माध्यम से विभागों की योजनाओं से अवगत कराया गया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम के तहत लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र मीणा। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की सुशासन की अवधारणा को धरातल पर उतारने की दिशा में जिला प्रशासन की ओर से प्रति माह रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजन किए जा रहे है। वीरवार देर रात तक गांव माजरा गुरदास में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीसी अभिषेक मीणा व एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी व गांव के विकास से जुड़े ग्रामीणों के सुझाव भी लिए गए। इस मौके पर डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि सरकार का यह संकल्प है कि प्रशासन जनता के द्वार तक पहुंचे और उसकी समस्याओं को समझे। उन्होंने कहा कुछ समस्याएं ऐसी होती हैं, जिनका स्थानीय स्तर पर समाधान संभव होता है, ऐसे में ग्रामीण एकजुटता के साथ ग्रामीण विकास में सहभागी बने। उन्होंने ग्रामीणों को शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करने का आश्वासन दिया।

आंगनबाड़ी केंद्र और व्यायामशाला का लिया जायजा

डीसी मीणा व एसपी हेमेंद्र कुमार ने अधिकारियों के साथ गांव में जनसुविधा के रूप में प्रदत्त सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने गांव के राजकीय माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालय सहित आंगनबाड़ी केंद्र व व्यायामशाला का भी दौरा किया। आंगनबाड़ी केंद्र में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ थीम को समर्पित हस्ताक्षर अभियान में भी भागीदार बने व किचन गार्डन का भी अवलोकन किया। एसपी मीणा ने ग्रामीणों को यातायात नियमों के पालन करने, साइबर फ्रॉड से बचाव तथा नशामुक्त जीवन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अपराधों से बचाव के लिए समाज को सजग रहना जरूरी है और किसी भी फ्रॉड की स्थिति में तुरंत 1930 नंबर पर शिकायत करें।

योजनाओं की जानकारी ली

कार्यक्रम में माजरा गुरदास के अलावा आसपास के गांवों से आए ग्रामीणों ने सड़क, जल निकासी, फसल बीमा, बिजली, आंगनबाड़ी भवन व पशु चिकित्सा केंद्र की समस्याओं को लेकर चर्चा की। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश देकर कई समस्याओं का तुरंत समाधान कराया। ग्राम पंचायत की ओर से मांग पत्र भी दिया गया, जिस पर डीसी ने संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जागरूकता स्टॉल लगाए गए, जिनमें स्वास्थ्य, परिवहन, सामाजिक न्याय, शिक्षा, पशुपालन व बिजली विभाग प्रमुख रहे। डीसी व एसपी ने सभी विभागों की सरकार की जनहितकारी नीतियों को दर्शाती प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए आमजन को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

ये अधिकारी रहे कार्यक्रम में मौजूद

इस अवसर पर एसडीएम सुरेश कुमार, सीईओ जिला परिषद प्रदीप कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार, डीएसपी सुरेंद्र श्योराण, डीडीपीओ नरेंद्र सारवान, जीएम रोडवेज प्रदीप अहलावत, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, एक्सईन बिजली निगम कुलदीप नेहरा, एक्सईएन जनस्वास्थ्य वीपी चौहान, नायब तहसीलदार श्याम लाल, सरपंच वीणा देवी व विक्रम सिंह सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

रेवाड़ी। अधिकारियों के साथ अनाज मंडी के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए डीसी अभिषेक मीणा। फोटो: हरिभूमि

रेवाड़ी, बावल व कोसली में होगा स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

- रेवाड़ी में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव करेंगी ध्वजारोहण, डीसी अभिषेक मीणा ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिले में देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। नई अनाज मंडी में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा की आयुष, स्वास्थ्य, शिक्षा चिकित्सा एवं अनुसंधान मंत्री आरती सिंह राव बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगी। डीसी अभिषेक मीणा ने जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों का अवलोकन करने के लिए शुक्रवार को अनाज मंडी का दौरा किया। उन्होंने बताया कि राव तुलाराम स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक बिछाए जाने का काम जारी है। इसलिए इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह का कार्यक्रम अनाज मंडी में शिव मंदिर के सामने शेड नंबर-एक में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समारोह की तैयारियां आरंभ हो चुकी है। अनाज मंडी में 13 अगस्त को फाइनल रिहर्सल होगी। इसके बाद 15 अगस्त को मुख्य समारोह का विधिवत रूप से आयोजन किया जाएगा। डीसी ने बताया कि उपमंडल बावल और कोसली में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। समारोह के लिए निजी व राजकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी कर रहे हैं। एनसीसी, होमगार्ड के जवान रोजाना परेड की रिहर्सल कर रहे हैं। इस अवसर पर एसडीएम सुरेश कुमार, नगराधीश जितेंद्र कुमार, डीएसपी डा. रविंद्र, डीडीपीओ नरेंद्र सारवान आदि मौजूद रहे।

क्यू आर कोड से नागरिकों को दिलाई जाएगी नशे के विरूद्ध ई-शपथः डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी अभिषेक मीणा। फोटो: हरिभूमि

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से देश में नशा मुक्त भारत अभियान यानि एनएमबीए शुरू किया गया है। इसकी रोकथाम के लिए 31 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में अभियान के तहत शैक्षणिक संस्थानों और समाज में सामुदायिक भागीदारी पर विशेष ध्यान देने के लिए संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। डीसी ने कहा कि नशीली दवाओं की लत एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके परिणामस्वरूप न केवल नशीली दवाओं का सेवन करने वाले व्यक्ति पर बल्कि पूरे परिवार और समाज पर भी खतरनाक प्रभाव पड़ता हैं। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ खेल और शारीरिक गतिविधियां आयोजित की जाएं। साथ ही स्कूल व कॉलेज परिसरों में पौधा लगाकर नशा मुक्त भारत अभियान को समर्पित किया जाए। डीसी ने कहा कि 13 अगस्त को जिला के सभी स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक संस्थानों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विरुद्ध एक साथ ई-शपथ आयोजित की जाएगी।

डीएवी महिला कॉलेज में हवन के साथ नए सत्र का शुभारंभ

कोसली । कोसली के डीएवी महिला महाविद्यालय में नए सत्र के शुभारंभ पर हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन में आहूति डाली। प्राचार्य डा. जय सिंह ने कहा कि यज्ञ भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। इसके द्वारा मानव जीवन में अग्रसर होने की भावना निहित है। यज्ञ करने से न केवल हमारे शरीर एवं आत्मा की शुद्धि होती है, बल्कि पर्यावरण भी स्वच्छ होता है। प्राचार्य ने छात्राओं से विश्व कल्याण की भावना के साथ वैदिक मूल्यों एवं नियमों का पालन करने का आह्वान किया।

यादव कल्याण सभा ने मनाई मेडिकल कैंप की तृतीय वर्षगांठ

प्रो. सतीश यादव ने अतिथियों का अभिनंदन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद सभा के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

यादव कल्याण सभा की ओर से श्री कृष्ण भवन में साप्ताहिक मेडिकल कैंप की तृतीय वर्षगांठ मनाई गई। समारोह के मुख्य अतिथि कंवर सिंह यादव व कृष्णा मोहन यादव तथा विशिष्ट अतिथि डा. सुरेंद्र यादव पीएमओ थे। सभा के जनरल सेक्रेटरी प्रो. सतीश यादव ने अतिथियों का अभिनन्दन किया। मुख्य संरक्षक महंत लाल दास व प्रधान रामबीर यादव ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट किया। डा. यशपाल यादव ने कैंप की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सभा के प्रधान व मुख्य संरक्षक ने मेडिकल कैंप की सफलता के लिए सभी डॉक्टर्स का आभार प्रकट किया और प्रशस्ति पत्र व शाल भेंट करके सम्मानित किया। जसवंत सिंह यादव ने सभी मेहमानों का धन्यवाद किया। 10 अगस्त को फ्री चिकित्सा शिविर सुबह 9 से 11 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

रेवाड़ी। गांव में कैंडल मार्च निकालते हुए ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

भगवानपुर में अस्पातल की मांग के समर्थन में रोझका में निकाला गया कैंडल मार्च

रेवाड़ी । गांव रोझका में ग्रामवासियों की ओर से भगवानपुर गांव में सरकारी अस्पताल बनाने की मांग को लेकर जनसभा व कैंडल मार्च आयोजित किया गया। ग्रामवासियों ने अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी को तन-मन-धन से सहयोग देने का आश्वासन दिया। कैंडल मार्च में महिलाओं सहित सैकड़ों बुजुर्गों व नौजवानों ने हिस्सा लिया। गांव के बुजुर्ग श्रीराम व कैप्टन वेदप्रकाश ने कैंडल प्रज्वलित की। इस मौके पर कैप्टन वेदप्रकाश, संघर्ष समिति के संयोजक सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार व रमेश चंद्र एडवोकेट ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी का धरना 52वें दिन में प्रवेश कर गया है। रामगढ़ भगवानपुर ग्राम पंचायत की मांग जायज है। इस मौके पर रोशनलाल, वीरेंद्र सिंह, महिपाल सिंह फदनी, नरेश कुमार, हनुमत सिंह, शीशपाल, सुधीर कुमार, मोहर सिंह बुड़ानी, कप्तान रवि प्रकाश, श्रीराम, मेजर दयाराम, सतपाल पंच, सूबे सिंह एक्स पंच, रामरतन, ईश्वर, जयपाल, रवि यादव, ब्रह्मानंद यादव, परवीन, जितेंद्र कुमार, सतवीर सिंह, राकेश कुमार, गूगन सिंह, इंद्रपाल, पंकज, सत्यदेव, गजराज, विपिन, संतराज, गौरव, अनीश, अंकित, सचिन, चरणसिंह, सुरेंद्र, सावित्री देवी, बिमला, मानसी, तारा, परिधि, ललिता, शर्मिला, निकिता, सविता व लक्ष्मी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

सम्मान से जीवन-अधिकार से रक्षा अभियान के तहत चाय पर चर्चा कार्यक्रम

- वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए विशेष अभियान शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को जानकारी देते सीजेएम। फोटो: हरिभूमि

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए शुरू किए गए विशेष अभियान सम्मान से जीवन, अधिकार से रक्षा के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में सेक्टर-4 स्थित वरिष्ठ नागरिक क्लब में चाय पर चर्चा के नाम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं डीएलएसए सचिव अमित वर्मा ने कहा कि चाय पर चर्चा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एक अनौपचारिक वातावरण में वरिष्ठ नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुनना, जागरूकता बढ़ाना और सामुदायिक सहयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत मिलने वाले कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 के माध्यम से वरिष्ठ नागरिक कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम की धारा 12 के तहत वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान की जाती है। कार्यक्रम में अधिवक्ता शंकर सिंह और मनोज कुमार ने सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं जैसे कि पेंशन, स्वास्थ्य सेवाएं, वृद्धावस्था सहायता आदि की जानकारी दी। वरिष्ठ नागरिकों को कानूनी जागरूकता से संबंधित प्रचार-सामग्री भी वितरित की गई। सीजेएम अमित वर्मा ने वरिष्ठ नागरिक क्लब परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर अधिवक्ता जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू बाला, हरीश कुमार शर्मा व यशपाल शर्मा उपस्थित थे

रेवाड़ी। प्रतियोगिता में मेहंदी बनाते हुए छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

राखी मेकिंग में भावना और मेहंदी प्रतियोगिता में मंजीता बनी विजेता

रेवाड़ी । विवेकानंद महाविद्यालय डहीना में रक्षाबंधन के अवसर पर राखी और मेहंदी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सभी संकायों से छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका रसायन विज्ञान से प्रियंका और ज्योति ने निभाई। राखी मेकिंग प्रतियोगिता में वाणिज्य संकाय वर्ष की छात्रा भावना ने प्रथम, बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा टीना ने द्वितीय और बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रेरणा और बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेहंदी बनाओ प्रतियोगिता में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा मंजीता ने प्रथम, बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा सोनल ने द्वितीय और तृतीय वर्ष की छात्रा देविका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्य ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस मौके पर महाविद्यालय की समन्वयक ज्योति मुदगिल ने कहा कि सभी को अपनी पंरपराओं का सम्मान करना चाहिए ताकि हम अपनी कला एवं संस्कृति से जुड़े रह सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टॉफ व विद्यार्थी मौजूद थे।

शैक्षणिक संस्थानों में हर घर तिरंगा अभियान के तहत गतिविधियों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। तिरंगा रैली निकालते हुए विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देशभर में मनाए जा रहे राष्ट्रव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले के विद्यालयों में रंगोली, पेंटिंग, निबंध लेखन व अन्य रचनात्मक जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि राष्ट्रीय झंडा तिरंगा हमारी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर तिरंगा मुहिम शुरू की। इससे लोगों में राष्ट्र के प्रति प्रेम, प्यार व समर्पण का भाव पैदा होगा। उन्होंने कहा कि जिला में 15 अगस्त तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ते हुए राष्ट्रीय एकता के प्रति प्रेरित किया जाए। शिक्षा विभाग हर घर तिरंगा अभियान को लेकर सक्रिय है। राजकीय विद्यालयों में आयोजित रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से आमजन को तिरंगा फहराने का संदेश दिया जा रहा है। विद्यार्थियों द्वारा हर घर तिरंगा अभियान में भागीदार बनने के लिए आमजन को जागरूक किया जा रहा है। शिक्षण संस्थाओं में बच्चों द्वारा हर घर तिरंगा के तहत जनचेतना रैली निकाली जा रही है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बावल में हर घर तिरंगा अभियान के तहत रैली निकाली गई तथा विद्यार्थियों ने रंगोली भी बनाई।

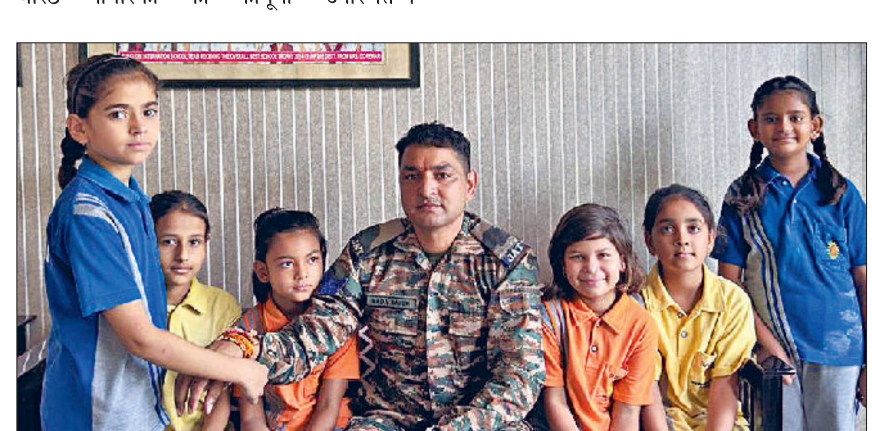
रेवाड़ी। सेना के अधिकारी का राखी बांधते हुए छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

सनस्क्रति स्कूल में एक राखी सैनिकों के नाम कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

नारनौल रोड स्थित सनस्क्रति इंटरनेशनल स्कूल में रक्षाबंधन के पर्व पर एक राखी सैनिकों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता में नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने आकर्षक राखियां बनाई। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए राखियां बनाने में रंगीन धागों, मोतियों और सजावटी वस्तुओं का उपयोग किया। स्कूल प्रबंधक कमेटी व प्रधानाचार्य गरिमा राव ने बच्चों द्वारा की गई मेहनत और कला की काफी सराहना की। स्कूल प्रबंधन की ओर से सभी राखियां हरियाणा 8 बटालियन के ऑफिसर को भेंट की गई। बच्चियों ने सैनिकों के कलाइयों पर राखी बांधकर तिलक भी किया। इस मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक मौजूद थे।

सार्वजनिक सूचना

मैं सूरज भान पुत्र रामकुमार निवासी मौजा कारोली उप-तहसील नाहड़, जिला रेवाड़ी सूचित करता हूं कि मेरे लड़के अरविन्द व उसकी पत्नी मीनू यादव एवं प्रविन्द्र व उसकी पत्नी अनिता मेरे व मेरी पत्नी के कहने-सुनने से बाहर है अतः मैं उन्हें अपनी तमाम चल व अचल सम्पत्ती से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनसे अगर कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन व व्यवहार करता है तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा।

सूचना

मैं, सतपाल पुत्र श्री लखीराम निवासी ग्राम भवाडी तह. व जिला रेवाड़ी (हरि.) बयान करता हूं कि मेरा पुत्र कपिल व उसकी पत्नी मोनी व दूसरा पुत्र पंकज व उसकी पत्नी बिल्लो बाई मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

निवारक कार्रवाई के तहत दो गिरफ्तार

रेवाड़ी। सदर थाना पुलिस ने बालियर खुर्द में झगड़े की आशंका को देखते हुए निवारक कार्रवाई के तहत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को शिकायत मिली थी कि गांव के दो गुटों में आपस में विवाद चल रहा है। विवाद के चलते दोनों गुटों में झगड़ा हो सकता है। इसके बाद पुलिस ने गांव निवासी कुलदीप और हर्ष को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें पाबंद करने के बाद रिहा कर दिया गया। वहीं खोल थाना पुलिस ने भालखी की ढाणी निवासी कमला को मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया है।

जुआ खेलते दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

रेवाड़ी। कसोला थाना पुलिस ने जुआ खेलते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान महेंद्र कुमार निवासी गांव पाली उर्फ हनुमान गंज जिला महाराजगंज यूपी व विकास राही निवासी मोहल्ला ब्रजवासी बस्ती भिवानी के रूप में हुई है। गत 7 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि बस स्टैंड बनीपुर चौक के पीछे झुग्गियों के पास दो लोग सरेआम जुआ खेल रहे है। सूचना पर पुलिस ने आरोपियों को काबू कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपियों की तलाशी लेने पर कब्जे से एक बैग, पर्ची, लिफाफे व 1400 रुपये बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में मनाया गया 76वां वन महोत्सव

प्रकृति के संरक्षण से ही मानव जीवन की रक्षा संभवः श्याम सिंह राणा

■ वनों की कटाई के कारण 11 प्रतिशत गैस उत्सर्जन हो रहा है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं होने का मुख्य कारण पेड़ों की कटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में पर्यावरण को समृद्ध बनाए जाने की दृष्टि से एक पेड़ मां के नाम से प्रदेश में व्यापक स्तर पर पौधरोपण का जन अभियान चलाया जा रहा है। जिले के प्रत्येक नागरिक को इस अभियान में भागीदारी करते हुए एक पौधा रोपित कर उसकी देखभाल करनी चाहिए। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा शुक्रवार को मीरपुर स्थित इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय परिसर में वन विभाग की ओर से मनाए गए 76वें वन महोत्सव को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज से 40-50 साल पहले तक गांव के घर-घर में दुधारू पशु बंधे होते थे और एक पेड़ अवश्य हुआ करता था। पंखे-कूलर की बजाय दुपहरी पेड़ की छांव में कटती थी। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपनी पुरानी परंपराओं को छोड़ रहे हैं, जिससे पर्यावरण संपदा को भी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि वृक्ष के बगैर मानव जीवन की कल्पना भी करना बेकार है। पेड़ों के सहारे ही हम और सभी जीव-जंतु अपना जीवन बिता रहे हैं। इसलिए इनके महत्व को कम न आंके और एक पेड़ मां के नाम से अवश्य लगाएं।

रेवाड़ी। आईजीयू मीरपुर में आयोजित 76वें वन महोत्सव में पौधरोपण करते कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा व वन महोत्सव के दौरान कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का पगड़ी पहनाकर स्वागत करते हुए।

स्वदेशी उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित किया

कृषि मंत्री ने कहा कि पिछले साल एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत प्रदेश में एक करोड़ 87 लाख पौधे लगाए गए थे। इस साल अभियान के दूसरे चरण में दो करोड़ 10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दक्षिण हरियाणा को हरा-भरा बनाने के लिए अरावली की पहाड़ियों में विशेष रूप से हरित अरावली कार्य योजना आरंभ की गई है। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नागरिकों को स्वदेशी उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित किया। राणा ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह आवश्यक है कि हम विदेशी वस्तुओं और विदेशी खान-पान से दूर रहें। कृषि मंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधा लगाकर वन महोत्सव का शुभारंभ किया। उनके साथ विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, कुलपति डा. असीम मिगलानी व डीसी अभिषेक मीणा ने भी पौधारोपण किया। मुख्य अतिथि ने वन महोत्सव के उपलक्ष्य में राजकीय विद्यालयों में आयोजित की गई चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया।

मानव जीवन में पेड़ों का महत्वपूर्ण स्थान

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में इस समय मात्र सात प्रतिशत भूभाग में हरियाली है। प्रकृति से दूरी बना कर हमारा जिंदा रहना मुश्किल है। इसलिए सभी नागरिक अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाएं। उन्होंने कहा कि पेड़ों से ही हमे जीवन दायिनी प्राण वायु ऑक्सीजन मिलती है। मानव जीवन में पेड़ों का महत्वपूर्ण स्थान है, इसे नकारा नहीं जा सकता। कुलपति डा. मिगलानी ने कहा कि वनों की कटाई के कारण 11 प्रतिशत गैस उत्सर्जन हो रहा है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं होने का मुख्य कारण पेड़ों की कटाई है। दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में एक्यूआई इंडेक्स 400 के पार जा रहा है। वातावरण को प्रकृति के अनुकूल बनाए रखना अति आवश्यक है। उप वन संरक्षक दीपक पाटिल ने कहा कि जिला के औद्योगिक क्षेत्र, ग्राम पंचायतों, राजकीय विद्यालयों को अभी तक तीन लाख पौधे बांटे जा चुके है। जल शक्ति, पौधागिरी व एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नागरिकों को निशुल्क पौधे दिए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार दिलबाग सिंह ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन कृष्ण इंजीनियर, वन विभाग के रेंज ऑफिसर कमल यादव, रेंजर प्रेम सैनी, मीरपुर की सरपंच संजू यादव, रत्नेश बंसल, नरेश चौहान, विजय सिंह व प्रशांत भारद्वाज मौजूद थे।

शहर में 200 बेड के अस्पताल बनाने की उठी मांग, मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

■ शहर की आबादी भी करीब 3 लाख तक पहुंच गई

रेवाड़ी। शहर के पार्षदों, सामाजिक कार्यकर्ताओ और भाजपा समर्थकों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र भेजकर शहर में ही 200 बेड का अस्पताल बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल और ट्रामा सेंटर की पैमाइश कराकर यहां पर नया 200 बेड का अस्पताल बनाया जाए। भाजपा नेता महेश यादव, जितेंद्र कुमार, संतोष देवी, नगर परिषद के उप प्रधान श्याम सुंदर चुग, रमेश कुमार, पार्षद मंजू भालिया, प्रधान जैन ब्वॉयज सीनियर सैकेंडरी स्कूल, राजेश पीसीबी सदस्य, विजय गुप्ता सचिव, कमल कांत, नवदीप मोदी, मदन मोहन महामंत्री जांगिड़ समाज, संजय रस्तोगी उपाध्यक्ष रस्तोगी समाज, रेवाड़ी केमिस्ट ड्रग एसोसिएशन के महासचिव, सुरेन्द्र वशिष्ठ प्रधान पंजाबी मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन, प्रधान क्लोथ एसोसिएशन, डा. केदारनाथ मखीजा सदस्य परिवेदना समिति और सचिन जैन कोषाध्यक्ष जेपीएस रेवाड़ी ने सीएम को पत्र भेजकर शहर में अस्पताल बनाने की मांग की। नागरिकों ने कहा कि गत 2 माह से शहर में 200 बेड के अस्पताल के निर्माण की मांग लगातार उठ रही है। शहर की आबादी भी करीब 3 लाख तक पहुंच गई है, सरकार पुराने नागरिक अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर की पैमाइश कराकर इसी जगह पर नया अस्पताल बनाए।

रेवाड़ी। शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ करते अतिथि। फोटो :हरिभूमि

जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में आरपीएस ने लहराया परचम

■ प्रतियोगिता का शुभारंभ वरिष्ठ भाजपा नेता बाबू वीर कुमार यादव व खंड शिक्षा अधिकारी डा. राजेन्द्र सिंह ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

आरपीएस स्कूल कोसली में शुक्रवार को अंडर-14 आयु वर्ग लड़कों की जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ वरिष्ठ भाजपा नेता बाबू वीर कुमार यादव व खंड शिक्षा अधिकारी डा. राजेन्द्र सिंह ने किया। वरिष्ठ भाजपा नेता ने प्रतिभागियों को बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। डीपीई वं ऑफिशियल अधिकारी महेन्द्र पूनिया, संजय कुमार, जयसिंह, संजीव कुमार, चंद्र शेखर व धर्मेन्द्र ने प्रतियोगिता में योगदान दिया। इस मौके पर स्कूल में पौधरोपण भी किया गया। प्रतियोगिता में पांचों ब्लॉक रेवाड़ी, बावल, नाहड़, जाटूसाना व खोल के प्रतिभागी व शिक्षक मौजूद थे। प्रतियोगिता में आरपीएस स्कूल कोसली, आरपीएस स्कूल धारूहेड़ा व आरपीएस स्कूल बीएमजी सिटी ने जीत दर्ज की। स्कूलों के पांच बच्चे राज्य स्तर के लिए चयनित हुए। इस मौके पर स्कूल के निदेशक हंसराज यादव व प्राचार्या अंजू यादव सहित सभी शिक्षक मौजूद थे।

गवर्नमेंट स्कूल बीकानेर में मनाया रक्षाबंधन का पर्व

रेवाड़ी। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में रक्षाबंधन पर्व पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य मनोज कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन भाई बहन के स्नेह का पवित्र त्योहार है। रक्षाबंधन में राखी या रक्षा सूत्र का सबसे अधिक महत्व है। हिंदी प्रवक्ता डा. सुविधा यादव ने बताया कि पौराणिक कथा के अनुसार भगवान श्री कृष्ण को चोट लगने पर द्रौपदी ने अपनी साड़ी का टुकड़ा फाड़कर उनकी अंगुली पर बांधा था, जिसे भगवान श्री कृष्ण ने रक्षा सूत्र के रूप में स्वीकार किया और द्रौपदी को हर संकट से बचाने का वचन दिया। विद्यालय में राखी बनाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपने हाथों से बनाई हुई राखियों को छात्रों को बांधकर मंगल कामना की। एसएमसी सदस्य कैप्टन फकीर चंद, अध्यापक मुकेश कुमार, प्रवक्ता सोमबीर, सत्ते सिंह, मनोज कुमार, नेहा शर्मा, रेखा रोहिल्ला, वैभव, अध्यापक रविंद्र कुमार सैनी, हरिता शर्मा, मंजू लता, पूनम देवी व प्रिया देवी मौजूद थे।

राज स्कूल के छात्रों का जिला स्तरीय स्केटिंग खेल प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन

रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने शिक्षा विभा की जिला स्तरीय स्केटिंग खेल प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। यूरो इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित स्केटिंग प्रतियोगिता में इनलाइन अंडर-11 में 500 मीटर में शानदार प्रदर्शन करते हुए नंदनी ने गोल्ड, हियान और पाखी ने रजत तथा मानवी ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इनलाइन अंडर-14 में प्राची सैनी ने गोल्ड पदक जीता। इनलाइन अंडर-17 में 500 मीटर में सिमिता ने गोल्ड मेडल और चंचल ने रजत पदक तथा इनलाइन अंडर-19 में तृषा ने गोल्ड पदक जीता। स्कूल में हुए क्वाड्स स्केट्स अंडर-14 में गुंजन और लक्ष्य ने गोल्ड पदक एवं दृष्टि ने रजत पदक हासिल किया। क्वाड्स स्केट्स अंडर-17 में किमाया ने गोल्ड पदक प्राप्त किया। छात्रों की सफलता पर उनके माता-पिता, शिक्षकों और साथी विद्यार्थियों ने गर्व व्यक्त किया। स्केटिंग कोच राजेश ने बच्चों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि छात्रों में आगे बढ़ने की अपार क्षमता है। छात्रों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी टक्कर दी और सफलता का परचम लहराया। विद्यालय के चेयरमैन राजेंद्र सैनी ने छात्रों एवं उनके कोच की प्रशंसा की।

देव व अर्शद की राखी तथा राशि, पूजा व भवानी की मेहंदी रही प्रथम

रेवाड़ी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ में रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर विभिन्न प्रतियागिताएं आयोजित की गई। छात्रों ने देशभक्ति की भावना से सरोबार होकर तिरंगे के रूप में राखी व पंतग बनाई। विद्यालय प्रभारी डा. प्रियंका डागर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 6 से 8 में राखी बनाओ प्रतियोगिता में देव की राखी प्रथम, हैप्पी की राखी द्वितीय व युग की राखी तृतीय स्थान पर रही। कक्षा 6 से 8 में पतंग बनाओ प्रतियोगिता में देव प्रथम, रितू द्वितीय व पूर्व तृतीय स्थान पर रहा। कक्षा 6 से 8 की मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता में राशि प्रथम, अंतिम द्वितीय व मानवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा 9 से 12 की राखी बनाओ प्रतियोगिता में अर्शद व एकता प्रथम, डिंपल व उर्वशी द्वितीय तथा साक्षी व भवानी तीसरे स्थान पर रही। कक्षा 9 से 12 की पतंग बनाओ प्रतियोगिता में डिम्पल प्रथम, उर्वशी द्वितीय व मुस्कान तीसरे तथा मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता पूजा व भवानी प्रथम, नंदिनी द्वितीय व मनजीत तीसरे स्थान पर रही। देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम में रितूबाला, संगीता शर्मा, मीनू यादव, सुरेश कुमार, अरुण कुमार, संदीप यादव, ममता हुड्डा व प्रवक्ता मोनिका सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाए जौहर

■ बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं राव तुलाराम स्टेडियम और रेवाड़ी क्लब देवलावास में होंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शिक्षा विभाग की ओर से शुक्रवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में गर्ल्स और ब्वायज वर्ग के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। गर्ल्स अंडर-19 की वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा अंडर-19 ब्वायज के वालीबॉल मुकाबले गवर्नमेंट सीनियर सैकेंडरी स्कूल मंदौला और नाहड़ में संपन्न हुए, जिनमें नाहड़ की टीम विजेता रही। अंडर-14 चेस प्रतियोगिता आरपी स्कूल कोसली व हरिसिंह स्कूल रेवाड़ी में आयोजित की गई, जबकि अंडर-19 बास्केटबॉल मुकाबले रेवाड़ी में हुए। बास्केटबॉल ट्रायल्स रेवाड़ी और बावल में भी कराए गए, जिनमें रेवाड़ी की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वालीबॉल अंडर-14 बालिका वर्ग का ट्रायल रेवाड़ी में आयोजित हुआ, जिसमें रेवाड़ी प्रथम स्थान पर रहा। क्रिकेट अंडर-19 बालक वर्ग के ट्रायल्स जैन स्कूल में आयोजित किए गए, जिसमें रेवाड़ी की टीम ने शानदार जीत दर्ज की। 10 अगस्त को बालिकाओं की वालीबॉल अंडर-14, 17 के मुकाबले होंगे। 11 अगस्त को बालकों के लिए एथलेटिक्स और बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं राव तुलाराम स्टेडियम और रेवाड़ी क्लब देवलावास में होंगी। एईओ भूपेन्द्र यादव व एईईओ सुनील कुमार ने बताया कि सभी खेलों के मुकाबले शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। खेल समाप्त होने के तुरंत बाद सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम भी घोषित कर दिए गए हैं।

रेवाड़ी। हरिसिंह स्कूल में शतरंज खेलते खिलाड़ी व वालीबॉल प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

जागरूक जिले में अब तक 33 डेंगू पॉजिटिव व मलेरिया के मिल चुके 10 केस

अगस्त में लगातार बढ़ रहे डेंगू के मामले, लार्वा मिलने पर 1426 लोगों को थमाए नोटिस

बरसात के बाद जलभराव होने से मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अगस्त माह में जिले में डेंगू के मामले बढ़ते जा रहे है। पिछले चार दिनों में डेंगू के 10 पॉजिटिव केस मिल चुके है। शुक्रवार को जिले में दो डेंगू पॉजिटिव मरीज मिलने से आंकड़ा 33 पर पहुंच गया है। बरसात के बाद जलभराव होने मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया है। स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आकर लोगों को बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक कर रहा है। गत वर्ष की तरह इस बार भी फोगिंग का कार्य सुस्त पड़ा हुआ है। सिर्फ डेंगू मिलने वाले क्षेत्र में ही फोगिंग की जा रही है। जिले में डेंगू के मामलों के साथ अब तक 10 मलेरिया के केस भी मिल चुके है। सरकारी व निजी अस्पतालों में ओपीडी भी लगातार बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के एचआई, एमपीएचडब्ल्यू व ब्रीडिंग चेकर लगातार गांवों व शहरी क्षेत्र में सोर्स रिडक्शन का कार्य कर रहे है तथा बुखार से पीड़ित लोगों की स्लाइड भी तैयार की जा रही है। गत वर्ष जिले में 406 डेंगू व मलेरिया के 9 केस आए थे। इस बार अभी तक डेंगू के 33 व मलेरिया के 10 केस मिल चुके है। मलेरिया हेल्थ इंस्पेक्टर विरेन्द्र सिंह ने बताया कि घरों में लार्वा मिलने पर अब तक 1426 लोगों को नोटिस भी थमाए जा चुके है। इसके अलावा जनवरी से अब तक 1408542 घरों में मॉस फीवर सर्वे किया जा चुका है। अब तक डेंगू संभावित बुखार पीड़ित 1652 लोगों के सेंपल भी लिए जा चुके है।

रेवाड़ी। जागरूकता के लिए स्कूल में बच्चों को दिए गए पंपलेट व मिट्टी के बर्तन में लार्वा की जांच करता स्वास्थ्यकर्मी।

डेंगू व मलेरिया बीमारियों के लक्षण

डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है। यह मच्छर दिन में काटता और स्थिर एवं साफ पानी में पनपता है। बुखार व सिरदर्द, मांसपेशियों, हड्डियों व जोड़ो में दर्द, जी मिचलाना, उल्टी लगना, आंखो में आसपास दर्द, ग्रंथियो में सूजन व स्किन पर लाल चकते हैं तो तुरंत अलर्ट होने की जरूरत है यह डेंगू के लक्षण है। मलेरिया में मरीज के सिर दर्द होना, शरीर में कंपन, ठंड लगना, थकान, बुखार आना, उल्टी होना, जी मिचलना, चक्कर आना प्रमुख कारण हैं। इन लक्षणों के साथ यदि तेज बुखार हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।